

[श्रीमती मालती शर्मा]

पी०जी० परीक्षा के लिए बैठने की स्वीकृति दे रही है और न दिल्ली विश्वविद्यालय ही वे रहा है। तो इन छात्रों का भविष्य भ्रंशकारण है। इसलिए मेरा निवेदन है कि सरकार इस और तुरन्त ध्यान देकर दिल्ली विश्व विद्यालय को आदेश दे ताकि यह परीक्षार्थी दिल्ली में ही पी०जी० परीक्षा में बैठ सके।

Need to Complete Indira Gandhi Regional Institute

DR. B. B. DUTTA (Nominated):
Madam, way back in 1983 the proposal to set up the Indira Gandhi Regional Institute of Health and Medical Sciences, was approved. In 1985, the Government of Meghalaya acquired 306 acres of Sand worth over two crores of rupees. In 1986, the then Prime Minister Rajiv Gandhi laid the foundation-stone of this Institute. It was supposed to be inaugurated in November, 1989. Accordingly, all the arrangements were made. Three hospitals were affiliated to the Institute and one Malaria Institute was taken over. Sophisticated equipments worth over Rs. one crore were also purchased. Now these are becoming junk. Later on, even a Director was also appointed. He remained there for one year and then came back. I don't know why. Some nurses and junior doctors were also appointed on a temporary basis. Now, nothing is there. In fact, due to elections, this Institute could not be inaugurated in 1989. This project was conceived and sanctioned in view of the insistent demand from the people of the entire North-Eastern Region because for medical facilities either they had to go to Madras or Hyderabad or Delhi. The North-Eastern State Governments have, spent crores of rupees on medical facilities. It was thought that such an Institute would ideally fit in Shillong because besides being a beautiful HSU station 5000 feet above sea level it is a natural health resort. Madam 11 years have already elapsed, but nothing has happened. The public opinion there is very much against this kind of delay and denial.

I would like to request the Government to see that a communication is sent to the Health Ministry and the project starts functioning without any further delay.

Railway Line from Dholpur to Ganga- per City

श्री मूलचन्द भीणा (राजस्थान):
मैडम, मैं सरकार का ध्यान एक ऐसे एरिया की ओर जहां पर शीड्यूल्ड कांस्ट्रक्शंस और शीड्यूल्ड ट्राईब्स की पौपुलेशन है वहां नई रेलवे लाइन के लिए जो धौलपुर से गंगापुर सिटी को जोड़ती है, की ओर दिलाना चाहता हूँ। धौलपुर से सरमथुरा तक तो छोटी लाइन है। इसका जो परिवर्तन ब्रॉड गेज में किया जा रहा है, इसमें उसका प्रावधान है। उसको चेंज करते हुए सरमथुरा से यदि गंगापुर सिटी तक रेलवे लाइन 60 किलोमीटर और बढ़ा दी जाए तो रेलवे विभाग कोई ही फायदा नहीं है, बल्कि उस एरिया में रहने वाली गरीब जनता को भी रोजगार मिलेगा। यह मैं इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि धौलपुर और किला देवी, ये ऐसे एरियाज हैं जहां पर पत्थर का सबसे ज्यादा भंडार हिंदुस्तान में होता है और जो पत्थर निकाला जाता है, वह आज विदेशों में भी एक्सपोर्ट होता है। इसलिए मेरा यह निवेदन है कि रेलवे विभाग के फायदे और पब्लिक के फायदे को देखते हुए सरकार का ध्यान इस ओर जाए और एक नयी रेल लाइन धौलपुर से गंगापुर-सिटी के लिए बनाई जाए। धन्यवाद।

उपसभाध्यक्ष (कुमारी लज्जा झावई)

श्री अनंत राम जायसवाल। वे तो उपस्थित नहीं हैं। गोविंदराम भीरी जी, आप बोलिए।

Need to Complete Indira Gandhi Regional Institute.

श्री भोविन्द राम मोरी (मध्य प्रदेश में उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम इस सदन का ध्यान केन्द्रीय विद्यालयों व जो खेल-कूद के शूलक में अप्रत्याशित वर्धित रही है, उस ओर खींचना चाहता हूँ। महोदय, केन्द्रीय सैनिक और अखनिक